छठी शताब्दी ई.पू. उत्तर भारत की राजनीतिक दशा का वर्णन कीजिए।

2019						JANUARY
S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

23 Saturday

1 प्राचीन भारत की राजनीतिक स्थिति जानने के लिए हमें पूर्णतया धार्मिक ग्रंथों पर निर्भर रहना पड़ता था चूंकि इन दिनों कोई सार्वभौम राजसत्ता नहीं थी विकेन्द्रीकरण का प्रवृत्ति था देश के भिन्न-भिन्न भागों में छोटे-छोटे राज्य विद्यमान थे इस समय उत्तर भारत में राजतंत्रात्मक तथा गणतंत्रात्मक दोनों प्रकार की राजसंस्थाएं थी इन्हें जनपद के नाम से पुकारा जाता था इनमें सोलह जनपद विशेष रूप महत्वपूर्ण थे जो इस प्रकार है।

अंग — यह जनपद बिहार राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित था इसकी राजधानी चम्पा नगरी थी जो भागलपुर के स्थान पर स्थित है अन्त में

24 Sunday

मगध राज्य से संघर्ष हुआ और पराजित हुआ।

मगध — मगध राज्य दक्षिण बिहार में स्थित था इसकी राजधानी राजगृह थी प्रारम्भ में वृहद्रथ वंश का अधिकार था बाद में कई राजवंशों ने शासन किया अंग राज्य को पराजित करने के बाद इसकी प्रतिष्ठा बढ़ी।

काशी → काशी जनपद उत्तरप्रदेश के दक्षिण पूर्व में स्थित था इसकी राजधानी काशी थी इस काल में यह नगरी वैभव, ज्ञान, बुद्धि शिल्प एवं व्यापार के लिए प्रसिद्ध था। ब्रह्मदत्त के काल में काफी उन्नति किया। कोशल राज्य से संघर्ष था कोशल पर

आक्रमणों का दीक्षित को प्राप्त किया और इस राज्य को काशी ने मिला लिया इस संघर्ष से काशी की शक्ति का पतन हुआ और बाद में इसका अन्त हो गया।

वज्जि – कोशल और विदेह राज्यों के अन्त होने पर इस वृज्जि राज्य की स्थापना हुई राजतंत्र के जगह गणतंत्रात्मक पद्धति की स्थापना इसकी राजधानी वैशाली थी उस काल में समस्त सांस्कृतिक का केन्द्र था इसी राज्य के खण्डहर पर लिच्छवी, विदेह और अन्य छः गणराज्यों की स्थापना हुई

कोशल → कोशल जनपद उत्तरप्रदेश के मध्य और उत्तर में स्थित था जो अवध के बराबर था इसकी राजधानी श्रावस्ती थी इस राज्य का संघर्ष काशी से होता रहता था

मल्ल → यह प्रजातंत्रीय राज्य था इसके दो भाग थे

जिसकी राजधानी कुशीनगर और पावा थी कुशीनगर को वर्तमान में कसिया कहा जाता है बुद्ध ने अन्तिम भोजन पावा में किया था और कुशीनगर में उनकी मृत्यु हुई थी

चेदि → चेदि जनपद की राजधानी शुक्तिमति थी जो केन नदी के तट पर स्थित था शिशुनाग के शासनकाल में इस राज्य की उन्नति हुई इस वंश के एक शाखा कलिंग में प्रवेश किया और वहाँ अपना राज्य की स्थापना की।

वत्स → वत्स राज्य में राजतंत्रीय प्रणाली थी इसकी राजधानी कौशाम्बी थी कौशाम्बी एक सुन्दर नगर था व्यापार के लिए प्रसिद्ध था

27 Wednesday

कुरु → यह राज्य वर्तमान दिल्ली और मेरठ जिले का समस्ती था इसकी महत्ता वैदिक काल में काफी थी इसकी राजधानी इन्द्रप्रस्थ था।

पांचाल → यह राज्य आधुनिक रुहेलखण्ड का समस्ती था उत्तरपांचाल की राजधानी अहिच्छत्र और दक्षिण पांचाल की राजधानी कांपिल्य थी।

मत्स्य → यह यमुना के पश्चिम तथा कुरु राज्य के दक्षिण में स्थित था इसकी राजधानी विराटनगर थी

शूरसेन → यह राज्य मत्स्य राज्य के दक्षिण में था इसकी राजधानी मथुरा थी अपने ज्ञान बुद्धि और वैभव के कारण यह नगरी अत्यंत प्रसिद्ध थी।

28 Thursday

अस्सक → अस्सक का राज्य गोदावरी के तट पर स्थित था इसकी राजधानी पोतन थी बुद्ध के समय यह राज्य सम्पन्न था।

कम्बोज — कम्बोज जनपद में कश्मीर का उत्तरी भाग, गांधार का उत्तर का प्रदेश पामीर और बदख्शां सम्मिलित थे इसकी राजधानी राजपुर थी ह्वेनसांग ने इस राज्य के विषय में लिखा है।

अवन्ति → अवन्ति राज्य मालवप्रदेश में

स्थित था इसकी ~~सभ~~ राजधानी उज्जयिनी थी बुद्ध के समय यहाँ प्रद्योत का राज्य था जो कौशाम्बी के राजा उदयन के समकालीन थे

गांधार → गांधार राज्य आधुनिक कश्मीर और तक्षशिला प्रदेश में स्थित था इसकी राजधानी तक्षशिला थी जो ज्ञान के केन्द्र माना जाता है। दूर दूर से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण के लिए आते थे

उक्त विवरण से स्पष्ट हो इस काल में भारत के अन्तर्गत विकेन्द्रीकरण की भावना विशेष रूप से विद्यमान था ~~बाद~~ पारस्परिक संघर्ष के फलस्वरूप छठी शताब्दी ई० पू० के अन्त में चार राज्य ही प्रभावशाली रहे आगे चलकर मगध को छोड़कर

तीनो राज्यो की प्रधानता समाप्त हो गई एक एक कर मगध में सम्मिलित हो गये।